Hindi Murli Quiz 25-07-2015

.

Q.1) **तकदीर खुलने का आधार क्या है?**

A. निश्चय
B. याद
C. पढाई
D. सेवा

Q.2) **_____ कहकर अलबेलापन नहीं लाओ, शक्ति रूप बनो।**

A. सहजयोगी
B. निश्चयबुद्धि
C. सेवाधारी
D. कुमारी

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाबा _____ लगाते हैं तो उसका नशा चढ़ना चाहिए ना। लेकिन चढ़ता ही नहीं है।	ज्ञान इन्जेक्शन
B	यहाँ _____ का प्याला पीते हैं तो असर होता है। बाहर जाने से ही भूल जाते हैं।	ज्ञान अमृत
C	बच्चे जानते हैं-ज्ञान सागर, पतित-पावन सद्गति दाता _____ एक ही बाप है।	लिबरेटर
D	कहते हैं बच्चे तुम भी पूरे_____ बनो। जितना मेरे में ज्ञान है उतना तुम भी धारण करो।	सागर
E	शिवबाबा को _____ का नशा नहीं है। बाप कहते हैं बच्चे हम तो सदैव शान्त रहते हैं।	देह
F	शिवबाबा थोड़ेही कहते हैं यह हमारी _____ है।	चीज़
G	हमने इनमें प्रवेश किया है, थोड़े टाइम के लिए _____ करने अर्थ।	सर्विस
H	अभी तुम बच्चों को वापस घर चलना है, _____ लगानी है भगवान से मिलने के लिए।	दौड़ी

Q.4) **अनादि स्वरूप ____ आत्मा है और आदि स्वरूप _____ देवता है। अभी का अन्तिम जन्म भी _____ ब्राह्मण जीवन है इसलिए _____ ही ब्राह्मण जीवन की पर्सनालिटी है। जो _____ है वही योगी है।**

- पवित्र
- pavitra
- pavitr
- pavitar
- पवित्रता
- pavitrata
- pavitrta
- pavitarta

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	मीठे- मीठे रूहानी बच्चों की बुद्धि में आना चाहिए कि	हम सतयुग पारसपुरी के मालिक बनते हैं।
B	इससे बड़ा स्कूल कोई होता नहीं। इस स्कूल से तुम करोड़ पदम् भाग्यशाली विश्व के मालिक बनते हो	तो तुम बच्चों को कितनी खुशी रहनी चाहिए। इस पत्थरपुरी से पारसपुरी में जाने का यह पुरूषोत्तम संगमयुग है।
C	कल पत्थर बुद्धि थे, आज पारस बुद्धि बन रहे हैं।	यह बात सदैव बुद्धि में रहे तो भी मनमनाभव ही है।
D	अभी तुम जानते हो मनुष्य पुकारते रहते हैं और वह यहाँ आ गये हैं।	कल्प पहले भी ऐसा हुआ था तब तो लिखा हुआ है विनाशकाले विपरीत बुद्धि

		क्योंकि वह हैं पत्थर बुद्धि।
E	तकदीर देरी से खुलने की है तो फिर लंगड़ाते रहते हैं।	कम पढ़ने वाले को कहा जाता है-यह लंगड़ाते हैं। संशय बुद्धि पीछे रह जायेंगे।

Q.6) **Match the following**

	Choice	Match
A	मनुष्य तो यह भी भूल गये हैं कि ड्रामा कैसे शुरू होता है।	कौन-कौन मुख्य एक्टर्स हैं, वह जानना चाहिए ना।
B	तुम रूहानी सोशल वर्कर्स हो।	बाकी सब सोशल वर्कर्स हैं जिस्मानी। तुम रूहों को समझाते हो, पढ़ती रूह है।
C	यह किसको भी पता नहीं है कि आत्मा इन आरगन्स द्वारा पढ़ती है।	हम आत्मा बैरिस्टर आदि बनता हूँ। बाबा हमको पढ़ाते हैं।
D	संस्कार भी आत्मा में रहते हैं।	संस्कार ले जायेंगे फिर आकर नई दुनिया में राज्य करेंगे।
E	मुख्य बात है-देह- अभिमान में कभी नहीं आओ।	अपने को आत्मा समझो। कोई भी विकर्म नहीं करो।

Q.7) **मैं इस बैल पर (रथ पर) सदैव सवारी करूँ, इसमें मुझे सुख नहीं भासता है। मैं तो तुम बच्चों को पढ़ाने आता हूँ। ऐसे नहीं, बैल पर सवारी कर बैठे ही हैं। रात-दिन बैल पर सवारी होती है क्या? उनका तो सेकण्ड में आना- जाना होता है। सदैव बैठने का कायदा ही नहीं। बाबा कितना दूर से आते हैं पढ़ाने के लिए, घर तो उनका वह है ना। सारा दिन शरीर में थोड़ेही बैठेगा, उनको सुख ही नहीं आयेगा। जैसे पिंजड़े में तोता फँस जाता है। मैं तो यह लोन लेता हूँ तुमको समझाने के लिए। तुम कहेंगे ज्ञान का सागर बाबा आते हैं हमको पढ़ाने के लिए। खुशी में रोमांच खड़े हो जाने चाहिए। वह खुशी फिर कम थोड़ेही होनी चाहिए। यह धनी तो स्थाई बैठे हैं। एक बैल पर दो की सवारी सदैव होगी क्या? शिवबाबा रहता है अपने धाम में। यहाँ आते हैं, आने में देरी थोड़ेही लगती है। रॉकेट देखो कितने तीखे होते हैं। आवाज़ से भी तीखे। आत्मा भी बहुत छोटा रॉकेट है। आत्मा भागती कैसे है, यहाँ से झट गई लण्डन। एक सेकण्ड में जीवनमुक्ति गाई है। बाबा खुद भी रॉकेट है।**

A. ◉ True

B. ○ False